

डॉ. रॉबर्ट ए. पीटरसन, मोक्ष, सत्र 3, मसीह के साथ एकता जारी

© 2024 रॉबर्ट पीटरसन और टेड हिल्डेब्रांट

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा उद्धार पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 3 है, मसीह के साथ एकता जारी है।

हम उद्धार के बारे में अपना अध्ययन जारी रखते हैं, विशेष रूप से उद्धार के अनुप्रयोग को समझने के सबसे व्यापक तरीके पर विचार करते हैं, अर्थात् मसीह के साथ एकता।

और हमने एकता का थोड़ा सा वर्णन किया है, यह कहते हुए कि यह निश्चित, व्यक्तिगत और स्थायी या चिरस्थायी है। अब, हम यीशु की कहानी और मसीह के साथ एकता पर विचार करने के लिए तैयार हैं। प्रेरित पौलुस हमें यीशु की कहानी में भागीदार बनाकर मसीह के साथ एकता का संदेश देता है।

परमेश्वर की कृपा से, हम मसीह के साथ मरते हैं, उसके साथ जी उठते हैं, उसके साथ स्वर्ग में चढ़ते और बैठते हैं, और यहाँ तक कि, एक निश्चित अर्थ में, उसके साथ वापस भी लौटते हैं। हम मसीह के साथ मर गए। आइए इनमें से कुछ अंशों पर नज़र डालें।

गलातियों 2:20 के बारे में क्या ख्याल है? पौलुस औचित्य पर चर्चा कर रहा है, और वह कहता है, मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ। दूसरे शब्दों में, मैं मसीह के साथ मर गया। अब मैं नहीं जीता, केवल मैं ही जीता हूँ, ऐसा ही कुछ वाक्य है, बल्कि मसीह मुझमें रहता है।

और अब मैं जो जीवन देह में जी रहा हूँ, वह परमेश्वर के पुत्र पर विश्वास से जी रहा हूँ, जिसने मुझसे प्रेम किया और मेरे लिए अपने आप को दे दिया। मैं मसीह के साथ क्रूस पर चढ़ाया गया हूँ। इस प्रकार पॉल कहते हैं कि हम यीशु की क्रूस पर चढ़ने की कहानी में भाग लेते हैं।

कुलुस्सियों 2:20 के लिए भी यही बात लागू होती है। जब भी मैं आयत 21 देखता हूँ तो मैं हँसे बिना नहीं रह सकता। इसे न छुएँ, न चखें, न छूएँ। मैं इस छवि को अपने दिमाग से निकाल नहीं पाता।

शुक्र है कि यह कोई बुरी छवि नहीं है, जैसा कि वहाँ मौजूद कुछ अन्य चीज़ों में है, लेकिन यह एक मज़ेदार छवि है। यह 1920 के दशक की महिलाएँ हैं जो किसी भी तरह से शराब का विरोध कर रही हैं। और उन्होंने गर्दन से लेकर फर्श तक सफ़ेद कपड़े पहने हुए हैं।

और उनके पास एक बैनर है जिस पर लिखा है, इसे न छुएँ, न चखें, न छूएँ। मज़ेदार बात यह है कि पॉल ने इसका इस्तेमाल किया। यह झूठे शिक्षक की शिक्षा का प्रतिनिधित्व करता था।

मैं मज़ाक में सोचता हूँ कि ज़्यादातर लोग शायद यह नहीं समझ पाए कि निषेध का नारा यहीं से आया है। ओह, अध्याय 2 की आयत 20, कुलुस्सियों 2:20। यदि मसीह के साथ तुम संसार की

मूल आत्माओं के लिए मर गए, तो फिर तुम संसार में जीवित रहते हुए भी उसके नियमों के अधीन क्यों हो? हाथ न लगाओ, चखो मत, छूओ मत। उन चीज़ों का ज़िक्र करते हुए जो सभी नष्ट हो जाती हैं क्योंकि उनका उपयोग मानवीय उपदेशों और शिक्षाओं के अनुसार किया जाता है।

ये वास्तव में स्व-निर्मित धर्म और तप को बढ़ावा देने, पवित्रता और शरीर के प्रति कठोरता के नाम पर शारीरिक इच्छाओं को नकारने में बुद्धिमानी का दिखावा करते हैं, लेकिन वे शरीर की भोग-विलास को रोकने में कोई मूल्य नहीं रखते हैं। यदि मसीह के साथ आप शैतानी के दायरे, पाप, दुनिया के लिए मर गए, तो यह एक बार फिर है, पॉल कहते हैं कि मसीह में विश्वास करने वाले लोग, यदि आप चाहें, तो उसके क्रूस पर चढ़ने में पूर्वव्यापी रूप से भाग लेते हैं। इतना ही नहीं, बल्कि हम मसीह के साथ जी उठे थे।

आइए हम कुलुस्सियों 3:1 पर जाएं। इसलिए यदि आप मसीह के साथ जी उठे हैं, तो उन चीज़ों की खोज करें जो ऊपर हैं, जहाँ मसीह परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है। अपना मन उन चीज़ों पर लगाएँ जो ऊपर हैं, न कि उन चीज़ों पर जो पृथ्वी पर हैं।

क्योंकि तुम मर चुके हो, यह मसीह के साथ नहीं कहता, लेकिन 3:1 के अनुसार और 2.20 के अनुसार, इसका अर्थ है, जैसा कि कोई भी सुसमाचार संबंधी टिप्पणी आपको बताएगी, क्योंकि तुम मसीह के साथ मर चुके हो। ये जीवित लोग हैं जिन्हें वह लिख रहा है, लेकिन आध्यात्मिक रूप से, वे उसकी मृत्यु में मसीह के साथ एक हो गए थे, क्योंकि तुम मसीह के साथ मर चुके हो।

आप मर चुके हैं, और आपका जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है। जब मसीह, जो आपका जीवन है, प्रकट होगा, तब आप भी उसके साथ महिमा में प्रकट होंगे। हम इस पर वापस आएंगे क्योंकि यह अगली दो उपश्रेणियों से भी संबंधित है।

हम मसीह के साथ जी उठे हैं, और यहाँ पौलुस कहता है कि उसके कारण, हम पृथ्वी पर अपने जीवन से इनकार नहीं करते हैं; हम मानवीय जिम्मेदारियों को अनदेखा नहीं करते हैं। हे भगवान। उसके घराने की एक सूची, ईसाई घरानों के लिए उसके नियमों में से एक, उसी अध्याय के अंत में दिया गया है।

मुझे पता है कि अध्याय विभाजन प्रेरित नहीं हैं, लेकिन 3:18 से 4:1 तक, जिसे मैं पढ़ने नहीं जा रहा हूँ, पौलुस घर में विश्वासियों की जिम्मेदारियों को संबोधित करता है। इसलिए, वह यह नहीं कह रहा है कि पृथ्वी पर अपने जीवन को अनदेखा करें, लेकिन वह यह कह रहा है कि ठीक वैसे ही जैसे आप पृथ्वी पर अपना जीवन जीते हैं, स्वर्ग में मसीह पर ध्यान केंद्रित करें। क्योंकि आप आध्यात्मिक रूप से उसके साथ मरे थे, वास्तव में उसके साथ जी उठे थे, और आप उसके साथ स्वर्गारोहित हुए थे।

यही उसका मतलब है जब वह कहता है, क्योंकि तुम मर चुके हो, और तुम्हारा जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है। यह स्पष्ट नहीं है, जैसा कि हम इफिसियों 2 में देखेंगे, लेकिन इसका निहितार्थ यह है कि तुम पिता के दाहिने हाथ पर हो। यह अविश्वसनीय है।

हम मसीह के साथ बड़े हुए हैं। रोमियों 6 यहाँ सबसे प्रसिद्ध अंश है। पॉल इस बात से नाराज़ है कि लोग दावा करते हैं कि अनुग्रह पर उसकी शिक्षा लोगों को पाप की ओर ले जाती है।

यह पौलुस को बहुत क्रोधित करता है क्योंकि उसका लक्ष्य अनुग्रह पर अपनी शिक्षा के माध्यम से ईश्वरीयता को बढ़ावा देना और प्रभु का सम्मान करना है। तो फिर हम क्या कहें, रोमियों 6:1, क्या हमें पाप में बने रहना चाहिए ताकि अनुग्रह बढ़ता रहे? यहाँ फिर से वही शब्द है: किसी भी तरह से, किसी भी तरह से, विचार को नष्ट न करें। आप ऐसा कैसे सोच सकते हैं? हम जो पाप के लिए मर गए हैं, फिर भी उसमें कैसे रह सकते हैं? वे मसीह के साथ एकता में पाप के लिए मर गए, और विशेष रूप से, यह ईसाई बपतिस्मा में चर्च जीवन में अनुभव किया गया था।

मसीह के साथ उसकी मृत्यु, गाड़े जाने और जी उठने में मसीही बनें। क्या तुम नहीं जानते कि हम सब जिन्होंने मसीह यीशु में बपतिस्मा लिया है, उसकी मृत्यु में बपतिस्मा लिए गए? इसलिए, बपतिस्मा से हम उसके साथ मृत्यु में गाड़े गए। ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा से मरे हुआँ में से जी उठा, वैसे ही हम भी नए जीवन की सी चाल चलें।

जैसे-जैसे यह अंश आगे बढ़ता है, पॉल यह सिखाता है, मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान न केवल हमें हमेशा के लिए पाप के दंड से बचाता है, बल्कि मसीह के साथ एकता के आधार पर मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान हमें बार-बार पाप की शक्ति से बचाता है। क्या आप नहीं समझते, आगे की आयतें कहती हैं, कि आपके ऊपर पाप की शक्ति टूट गई है? अब आप अत्याचारी पाप की दया पर नहीं हैं। आप मसीह से जुड़ गए हैं।

आप पाप के लिए मर गए। इसका आप पर कोई उचित अधिकार नहीं है, इसलिए इस तरह से मत जिँ। जाहिर है, विश्वासी ऐसा कर सकते हैं, लेकिन यह एक गलतफहमी है और यहाँ तक कि मसीह की मृत्यु में उनके साथ उनके मिलन का भी खंडन है जिसके आधार पर उसने हमें न केवल औचित्य में पाप के दंड से बल्कि प्रगतिशील पवित्रीकरण में पाप की शक्ति से भी मुक्त किया।

हमारा पुराना मनुष्यत्व उसके साथ क्रूस पर चढ़ाया गया ताकि पाप का शरीर नष्ट हो जाए ताकि हम फिर कभी पाप के गुलाम न रहें, आयत 6। अब मृत्यु का उस पर अधिकार नहीं है, और अब मृत्यु का हम पर अधिकार नहीं है। हम मसीह के साथ मर गए।

परमेश्वर ने अपनी मृत्यु में हमें मसीह से जोड़ा। परमेश्वर ने अपने पुनरुत्थान में हमें मसीह से जोड़ा। पहले का अर्थ है कि उसने हमें पाप के क्रूर प्रभुत्व से मुक्त किया।

उत्तरार्द्ध का अर्थ है कि हमें आध्यात्मिक रूप से जीवन की नवीनता के लिए उठाया गया है, ताकि हम परमेश्वर की आत्मा द्वारा एक नया जीवन जी सकें जो परमेश्वर का सम्मान करता है और हमें और कई अन्य लोगों को आशीर्वाद देता है। हम यीशु की कहानी में भागीदार हैं। यह कैसे हो सकता है? मसीह के साथ एकता के आधार पर।

हम उसके साथ मरे। हम उसके साथ दफ़न हुए। हम उसके साथ जी उठे।

हम मसीह के साथ स्वर्गारोहण पर गए। अब, अगर बाइबल ऐसा न कहती तो हम कभी ऐसा नहीं कहते, लेकिन यह ऐसा करती है। इफिसियों 2:6। मेरा एक मित्र है जो अपने जीवन में पाप, एक लत से कई सालों तक लड़ता रहा, और इस आयत ने उसे कई सालों के लिए आज़ाद कर दिया।

अविश्वासियों के लिए एक गहरा गड्ढा खोदने और हमारे तीन बड़े शत्रुओं, संसार, शरीर और शैतान के संबंध में अविश्वासियों की दुर्दशा को बताने के बाद, शायद इफिसियों 2:1-3 में किसी भी संक्षिप्त संदर्भ से बेहतर, पद 4 कहता है, लेकिन परमेश्वर ने जो हमसे प्रेम करने के महान प्रेम के कारण दया में धनी है, जब हम अपने अपराधों में मरे हुए थे, तब भी हमें मसीह के साथ जीवित कर दिया। अनुग्रह से, आप बचाए गए हैं। अनुग्रह का सार यह है कि परमेश्वर आध्यात्मिक रूप से मृत पापियों को पुनर्जीवित करता है और हमें उसके साथ उठाता है।

मसीह के पुनरुत्थान में उसके साथ एकता है। और, इस बात पर ध्यान दें, मसीह यीशु में हमें उसके साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाया गया है। जैसा कि मैंने कहा, मेरा बेटा, अब मेरा बेटा।

यह मेरा बेटा नहीं है, मेरा दोस्त है। मेरे दोस्त ने कहा, मुझे बताया कि जब पाप मेरे दरवाजे पर दस्तक देता है और प्रलोभन आता है, तो वह कहता है, मैं पिता के दाहिने हाथ पर मसीह के साथ बैठा हूँ। मैं स्वर्ग में बैठा हूँ।

मेरा उद्धार इतना सुरक्षित है। मैं तुम्हारे आगे नहीं झुकने वाला। और प्रभु ने अपने जीवन में उस बंधन को तोड़ दिया, खास तौर पर उस आयत का इस्तेमाल करके।

प्रभु की स्तुति हो। पॉल सिखाता है कि हम न केवल मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान में आध्यात्मिक रूप से एकता के माध्यम से जुड़े हैं, बल्कि हम मसीह के स्वर्गारोहण में भी उसके साथ जुड़े हैं, और उस अर्थ में, हम जो अभी भी पृथ्वी पर पाप से संघर्ष कर रहे हैं, उसके साथ स्वर्गारोहित हुए, और उसके साथ स्वर्ग में बैठे। मेरे दोस्तों, किसी ने भी इस धर्म को नहीं बनाया है।

यह ईश्वरीय योजना है, क्रियान्वित है, लागू है और प्रकट है। किसी ने इसे नहीं बनाया। पॉल ने इसे नहीं बनाया।

पौलुस को मसीह ने मसीह का शत्रु समझा था, और मसीह ने अपनी आत्मा के द्वारा उसे यह बात बताई। हम मसीह के साथ मरे। हम मसीह के साथ जी उठे।

ऐसा लगता है कि हम उसके साथ स्वर्गारोहण कर चुके हैं और परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठ चुके हैं। यह उसके साथ हमारा कितना घनिष्ठ मिलन है। यह हमें कितना परिभाषित करता है।

यह इतना स्थायी है। अब हम उसके दाहिने हाथ के बराबर हैं। वह हमें कभी बाहर नहीं निकालेगा, जैसा कि हम इन व्याख्यानों में बाद में संरक्षण का अध्ययन करते समय विशेष रूप से अध्ययन करेंगे।

लेकिन अभी के लिए, सिर्फ वे चीज़ें ही नहीं बल्कि ऐसा लग रहा है कि हम फिर से उसके साथ आएँगे। हम फिर से आएँगे। क्या तुम मज़ाक कर रहे हो? नहीं।

आइए कुलुस्सियों 3 पर वापस जाएं क्योंकि हम रोमियों 8 से ज़्यादा हाल ही में वहां थे। यह दोनों जगहों पर है। कुलुस्सियों 3, इसलिए यदि आप मसीह के साथ जी उठे हैं, पद 1, तो उन चीज़ों की तलाश करें जो ऊपर हैं, जहाँ मसीह है, परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठा है। अपना मन उन चीज़ों पर लगाएँ जो ऊपर हैं, न कि उन चीज़ों पर जो पृथ्वी पर हैं।

उन्हें नज़रअंदाज़ मत करो, लेकिन उन पर अपना ध्यान मत लगाओ। सिर्फ उनके लिए मत जियो। यीशु की ओर देखो, इब्रानियों 12, जो तुम्हारे विश्वास का रचयिता और सिद्ध करनेवाला है।

इसी तरह का एक अंश। क्योंकि आप मसीह के साथ मर चुके हैं, और आपका जीवन मसीह के साथ परमेश्वर में छिपा हुआ है, क्योंकि आप उसके साथ स्वर्गरोहित हुए हैं। आध्यात्मिक रूप से कहें तो, निहित है।

जब मसीह, जो आपका जीवन है, प्रकट होगा, तब आप भी उसके साथ महिमा में प्रकट होंगे। इसमें कोई संदेह नहीं है, और मैं किसी ऐसे टिप्पणीकार को नहीं जानता जो कहता है कि जब मसीह, जो आपका जीवन है, प्रकट होता है, तो इसका अर्थ दूसरे आगमन से नहीं है। यह दूसरे आगमन की क्रिया है।

प्रकट हो जाओ। लेकिन यहाँ एक आश्चर्यजनक बात है। तब तुम भी प्रकट हो जाओगे।

दूसरा आगमन शब्द का प्रयोग उसी संदर्भ में किया जाता है, जिस संदर्भ में मसीह के दूसरे आगमन के साथ प्रयोग किया जाता है। जब मसीह, जो आपका जीवन है, जो एकता की भाषा है, फिर से प्रकट होगा, तब आप भी उसके साथ महिमा में प्रकट होंगे। आप कहते हैं कि यह मुझे परेशान करता है।

हम दोबारा आने वाले हैं। क्या हम छोटे मसीह हैं? नहीं। हालाँकि लूथर अपने पड़ोसी से मसीह होने की बात कर सकता था। नहीं, हम मसीह नहीं हैं।

हम उसके लोग हैं। लेकिन हम उसके साथ इतने निश्चित, घनिष्ठ और स्थायी रूप से जुड़े हुए हैं कि बाइबल हमें उसके दूसरे आगमन का श्रेय दे सकती है। ओह, यह शाब्दिक नहीं है, लेकिन यह आध्यात्मिक है, और यह वास्तविक है।

हम प्रभु यीशु मसीह से इतने जुड़े हुए हैं कि उनके बेटे या बेटियों के रूप में हमारी असली पहचान केवल तभी प्रकट होगी जब वे वापस आएँगे। ओह, हमारे पास अब अच्छे दिन हैं, लेकिन मैं आपके बारे में नहीं जानता। मुझे रविवार की आराधना सेवा के उस भाग की आवश्यकता है जिसमें हम अपने पापों को स्वीकार करते हैं। निश्चित रूप से, हममें से कोई भी यह नहीं कह सकता कि हम प्रभु, अपने परमेश्वर से अपने पूरे दिल, आत्मा, मन और शक्ति से, लगातार, हर दिन प्यार करते हैं।

यह हास्यास्पद है। या फिर हम अपने पड़ोसी से वैसा ही प्यार करें जैसा हम स्वाभाविक रूप से करते हैं, ओह, नंबर एक, खुद से। नहीं, हम ऐसा नहीं करते।

मैं हमारे पापों को माफ नहीं कर रहा हूँ, बल्कि इसके विपरीत कह रहा हूँ। मैं अपने पापों, अपने पापों को स्वीकार कर रहा हूँ, और कह रहा हूँ कि हमें परमेश्वर के अनुग्रह की पूर्णता की आवश्यकता है। हमें शुरू से अंत तक मसीह के साथ एकता की आवश्यकता है, और हमें अपने दूसरे आगमन की आवश्यकता है, ऐसा कहा जा सकता है।

मसीह की मृत्यु पापों के लिए अद्वितीय रूप से प्रायश्चित्त करती है। जब पवित्र आत्मा हमें मसीह से जोड़ता है, तो वह हमें अपनी मृत्यु से जोड़ता है ताकि हम मसीह के साथ आध्यात्मिक रूप से मर जाएँ। इसी तरह, आत्मा हमें मसीह के उद्धार के माध्यम से जीवित मसीह और उसके पुनरुत्थान के साथ जोड़ती है।

हालाँकि मसीह का उद्धार कार्य उसके अवतार से लेकर उसके दूसरे आगमन तक फैला हुआ है, लेकिन उसके उद्धार का हृदय और आत्मा उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान है। मसीह की प्रायश्चित्त मृत्यु और पुनरुत्थान अतीत, वर्तमान और भविष्य में उद्धार को पूरा करते हैं। भगवान का शुक्र है, अन्यथा हम बच नहीं पाते।

मैं आज एक शिक्षक को जानता हूँ जो कहता है कि मसीह की मृत्यु भविष्य के पापों का प्रायश्चित्त नहीं करती। खैर, हम सब खो गए हैं, जैसा कि झूठी शिक्षा है। मसीह हमें अतीत के संबंध में बचाता है, क्योंकि उसने हमें हमारे अपराधों के लिए सौंप दिया है और हमें हमारे औचित्य के लिए उठाया है।

मसीह की मृत्यु हमारे पापों की सज़ा का भुगतान करती है, और उसका पुनरुत्थान हमें दोषमुक्ति और नया जीवन देता है जो दोषी ठहराए गए और आध्यात्मिक रूप से मृत हैं। मसीह हमें वर्तमान के संबंध में बचाता है, क्योंकि हम उसके साथ बपतिस्मा द्वारा मृत्यु में दफनाए गए थे ताकि जैसे मसीह पिता की महिमा से मृतकों में से जी उठा, वैसे ही हम भी जीवन के नएपन में चलें। मसीह की मृत्यु ने हमारे जीवन पर पाप के अत्याचार को तोड़ दिया।

उनका पुनरुत्थान हमें नया जीवन जीने में सक्षम बनाता है, जो परमेश्वर को प्रसन्न करता है। मसीह की मृत्यु और पुनरुत्थान हमें भविष्य के संबंध में बचाता है; उदाहरण के लिए, यदि हम शत्रु थे, तो उसके पुत्र की मृत्यु के द्वारा परमेश्वर के साथ मेल-मिलाप हो गया, तो मेल-मिलाप होने पर हम और कितने अधिक मेल-मिलाप हो जाएँगे? क्या हम उसके जीवन से बचाए जाएँगे, रोमियों 5:10. मसीह का स्वर्गारोहण और सत्र हमें भी बचाता है, क्योंकि परमेश्वर ने हमारे प्रति अपने महान प्रेम के कारण हमें मसीह के साथ जीवित कर दिया है।

जैसा कि हमने कहा, उसने हमें मसीह में उठाया और स्वर्गीय स्थानों में अपने साथ बैठाया। इसके उद्देश्य पर ध्यान दें, ताकि आने वाले युगों में, वह मसीह यीशु में हमारे प्रति अपनी दया के माध्यम से अपने अनुग्रह के अथाह धन को प्रदर्शित कर सके। कलीसिया परमेश्वर का प्रदर्शन है, जो स्वर्गदूतों, ब्रह्मांड को परमेश्वर के अनुग्रह की घोषणा करता है।

इफिसियों 2:4-7, परमेश्वर अपना प्रेम, अनुग्रह और दयालुता प्रदर्शित करता है जब वह हमें परमेश्वर के दाहिने हाथ पर बैठे मसीह से जोड़ता है। दो बार, शास्त्र कहता है कि हम मसीह की वापसी में भागीदार हैं। जिस अंश को हमने अभी तक नहीं पढ़ा है, मैं अब उसका उल्लेख करने जा रहा हूँ।

सबसे पहले, सृष्टि की उत्सुकता परमेश्वर के पुत्रों के प्रकट होने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है। यह रोमियों 8:19 है। मेरे एक मित्र ने मुझे यहाँ एक बात बताई।

उनके पास यह है, और वे कहते हैं कि यह उनका अपना अनुवाद है। हाँ, सृष्टि की उत्सुकतापूर्ण प्रतीक्षा के लिए उत्सुकता से सर्वनाश की प्रतीक्षा है। यह वही शब्द है जो बाइबल की अंतिम पुस्तक के नाम के समान है, यीशु मसीह का सर्वनाश, यीशु मसीह का रहस्योद्घाटन।

मुझे नहीं पता कि अनुवाद अस्पष्ट क्यों हैं; यहाँ तक कि मेरी पसंदीदा ESV भी इस तथ्य को अस्पष्ट करती है कि यह सर्वनाश के बारे में बात कर रही है। मुझे ESV बहुत पसंद है, और यह मेरी पसंदीदा है। मैं उपयोग कर रहा हूँ, और मैं क्रिश्चियन स्टैंडर्ड बाइबल से उद्धरण दे रहा हूँ जिसके लिए मैंने ये बनाए हैं, जिससे मैंने ये नोट्स बनाए हैं जैसा कि मैंने कहा, लेकिन ESV में 8 20, 8 20, उह 19, सृष्टि ईश्वर के पुत्रों के प्रकट होने की उत्सुकता से प्रतीक्षा कर रही है।

यह गलत नहीं है, लेकिन यह वचन परमेश्वर के पुत्रों का रहस्योद्घाटन है। सृष्टि उत्सुकता से परमेश्वर के पुत्रों के रहस्योद्घाटन की प्रतीक्षा कर रही है। हमें एक रहस्योद्घाटन मिलेगा, मानो यह दूसरा आगमन हो।

शब्द रहस्योद्घाटन वही शब्द है जिसे कभी-कभी कुछ शास्त्र मसीह के दूसरे आगमन के लिए इस्तेमाल करते हैं। 1 कुरिन्थियों 1:7, 2 थिस्सलुनीकियों 1:7, 1 पतरस 1:13, प्रकाशितवाक्य 1:1, जिससे हम वास्तव में परिचित हैं। शास्त्र इन जगहों पर सर्वनाश, सर्वनाश, सर्वनाश का उपयोग करता है।

1 कुरिन्थियों 1:7, 2 थिस्सलुनीकियों 1:7, 1 पतरस 1:13, प्रकाशितवाक्य 1:1। एक अर्थ में विश्वासियों को रहस्योद्घाटन, वापसी मिलती है। पौलुस का मतलब है कि हमारी असली पहचान मसीह में इतनी समाहित है कि यह पूरी तरह से तभी प्रकट होगी जब वह और हम फिर से आएं। यह हमारे लिए एक बहुत ही सुकून देने वाला वादा है कि हम इस दयालु प्रभु से प्यार करें और उसके लिए जिएँ, अपने पापों को स्वीकार करें, सुसमाचार साझा करें, इत्यादि।

और हम वहाँ भी यही बात देखते हैं। हमने इसे कुलुस्सियों 3 4 में देखा। यीशु और मसीही दोनों ही उसके दूसरे आगमन पर प्रकट होंगे। विश्वासी मसीह के उद्धार की घटनाओं और उसके उद्धार की घटनाओं में उसके साथ इतने एकजुट हैं।

विश्वासी यीशु और उसके उद्धारक कार्यों से इतने जुड़े हुए हैं कि उसके लौटने पर, मसीह में हमारी पहचान को अस्पष्ट करने वाला पाप हटा दिया जाएगा ताकि हम अपने पिता के राज्य में सूर्य की तरह चमकें। मत्ती 13:48, मत्ती 13:48, शायद दानियेल की पुस्तक का एक संकेत है। इसलिए, यह देखना गौरवशाली है कि परमेश्वर की कृपा से, हम यीशु की कहानी में भाग लेते हैं।

इतना ही नहीं, बल्कि उद्धार के आवेदन का हर पहलू मसीह के साथ एकता में होता है। जरा इसके बारे में सोचिए। यदि परमेश्वर की सभी उद्धारकारी आशीषें उसमें हैं और हम भी हैं, तो परमेश्वर हमें अपने साथ जोड़ता है, और फिर हमें वे सभी आशीषें मिलती हैं।

दूसरे शब्दों में कहें तो, पुनर्जन्म मसीह में है। औचित्य मसीह में है। दत्तक ग्रहण मसीह में है।

मैं आपको बार-बार यह बात बताकर बोर नहीं करना चाहता, लेकिन यह सच है। दृढ़ता मसीह में है। मसीह के सभी आशीर्वाद उद्धार में हैं।

इसलिए, उद्धार के पहलू मसीह के साथ एकता का अभिन्न अंग हैं। रिचर्ड गैफिन के शब्द सटीक हैं। उनकी पुस्तक, *बाय फेथ नॉट बाय साइट, पॉल एंड द ऑर्डर ऑफ साल्वेशन*, रिचर्ड गैफिन।

मैं उसे उद्धृत कर रहा हूँ। केंद्रीय उद्धार संबंधी वास्तविकता आत्मा द्वारा निर्मित विश्वास द्वारा उच्च मसीह के साथ एकता है। यही पौलुस के लिए उद्धार के मार्ग या क्रम का सार है।

इस कारण से, उद्धार के अनुप्रयोग का प्रत्येक व्यक्तिगत पहलू मसीह में है। पुनर्जन्म, औचित्य, दत्तक ग्रहण, पवित्रीकरण, संरक्षण, और महिमा वे आशीर्वाद हैं जो हमें मसीह से अलग होकर नहीं मिलते। यह हास्यास्पद और असंभव है लेकिन उसके साथ एकता में।

पुनर्जन्म मसीह में है। हम पहले ही यह देख चुके हैं। क्योंकि परमेश्वर जो दया में धनी है, उसने अपने महान प्रेम के कारण जो उसने हम पर किया, हमें मसीह के साथ जीवित किया।

इफिसियों 2:4 और 5. भले ही हम अपराधों में मरे हुए थे, फिर भी तुम अनुग्रह से बचाए गए हो। क्योंकि परमेश्वर ने हमें उसके साथ जिलाया, पौलुस अगले शब्दों में कहता है। पुनर्जन्म मसीह के साथ एकता का एक उपसमूह है।

यीशु के साथ जुड़कर, हमें उसके सभी उद्धारक लाभ मिलते हैं, जिनमें से एक है पुनर्जन्म। इसी तरह, हम मसीह के साथ एकता में न्यायसंगत हैं। कोई और रास्ता नहीं है।

परमेश्वर ने, जो पाप से अनभिज्ञ था, उसी को हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएँ। 2 कुरिन्थियों 5:21. परमेश्वर ने, जो पाप से अनभिज्ञ था, उसी को हमारे लिये पाप ठहराया, कि हम उसमें होकर परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएँ।

पौलुस मसीह को प्राप्त करने को सबसे अधिक महत्व देता है। और इसका अर्थ है उसमें पाया जाना, अर्थात् उसके साथ एकता में होना। और इसका अर्थ है व्यवस्था से मेरी अपनी धार्मिकता नहीं, बल्कि मसीह में विश्वास के माध्यम से प्राप्त धार्मिकता, जो विश्वास पर आधारित परमेश्वर की धार्मिकता है।

फिलिप्पियों 3:9. 2 कुरिन्थियों 5:21 पर वापस जाएँ, लूथर का प्रसिद्ध महान आदान-प्रदान। मसीह पाप रहित और धर्मी है। हम इसके विपरीत हैं।

हम पापी हैं। परमेश्वर हमारे पापों को अपने ऊपर थोपता है। और परमेश्वर अपनी धार्मिकता को हम पर थोपता है।

परमेश्वर ने जो पाप से अनभिज्ञ था, उसे हमारे लिए पाप बना दिया ताकि हम उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बन जाएँ। हम मसीह द्वारा आरोपित धार्मिकता को अपने आध्यात्मिक बैंक खाते में जमा करवाते हैं, यदि आप चाहें तो, मसीह के साथ एकता के आधार पर ताकि हम उसमें परमेश्वर की धार्मिकता बन सकें।

गोद लेने के मामले में भी यही बात लागू होती है। वैसे, मैं यह नहीं दिखा सकता कि कॉलिंग इस तरह की होती है। बाकी लोगों को मैं स्पष्ट रूप से सभी को दिखा सकता हूँ।

मुझे नहीं लगता कि हमें उसमें बुलाया गया है या ऐसा कुछ। गोद लेने के लिए भी यही बात लागू होती है। लेकिन बेशक, मैं कहूँगा कि बाइबल ऐसा नहीं कहती।

लेकिन एक ईसाई धर्मशास्त्री के रूप में लिखने और परमेश्वर की शिक्षाओं को समझने से, हमें मसीह के साथ एकता में बुलाया जाता है। यह दत्तक ग्रहण के लिए भी वैसा ही है, जैसा कि पौलुस सिखाता है। विश्वास के द्वारा, आप सभी मसीह यीशु में परमेश्वर के पुत्र हैं।

गलातियों 3:26, 27. विश्वास के द्वारा तुम सब मसीह यीशु में परमेश्वर की सन्तान हो, क्योंकि तुम में से जितने मसीह में बपतिस्मा लिए हैं, वे मसीह को पहिन चुके हैं।

इनमें से एक तरीका वास्तव में एक छोटा तरीका है, और अक्सर इस पर ध्यान भी नहीं दिया जाता है, लेकिन पॉल मसीह के साथ एकता के बारे में जो तरीका बताता है, वह है कपड़े पहनना। रोमियों, वह श्लोक जिसका उपयोग भगवान ने संत ऑगस्टीन को वश में करने के लिए किया था। रोमियों 13:14.

प्रभु यीशु मसीह को धारण करो और शरीर की इच्छाओं को पूरा करने के लिए कोई प्रावधान मत करो। ऑगस्टीन शरीर के लिए बहुत सारे प्रावधान कर रहा था, और उस आयत ने उसे एक चमक की तरह मारा और उसे तोड़ दिया, और यह सुंदर था। उसे वह सुसमाचार याद आया जो उसकी माँ मोनिका और अन्य लोगों ने उसके साथ साझा किया था, और उसने विश्वास किया।

वह मसीह में विश्वास करता था, और यहाँ भी उसी अवधारणा का उपयोग किया गया है। तुम सब जो मसीह में बपतिस्मा लेते हो, मसीह के वस्त्र पहने हुए हो। यहाँ, पौलुस कहता है कि परमेश्वर ने हमारे लिए क्या किया है।

यह सांकेतिक आदेशात्मक भेद है। परमेश्वर ने सांकेतिक आवाज़ में जो किया है, सांकेतिक मनोदशा में कहा है, जिस तरह से चीज़ें हैं उसे व्यक्त किया है, आप मसीह के वस्त्र पहने हुए हैं। रोमियों 13:14 में, यह एक अनिवार्य है।

प्रभु यीशु मसीह को धारण करें। इसलिए, पौलुस कभी-कभी हमें बताता है कि परमेश्वर ने हमारे लिए क्या किया है, और फिर वह हमें बताता है कि परमेश्वर ने हमारे लिए जो किया है, उसके जवाब में हमें भी वही करना चाहिए जो परमेश्वर ने हमारे लिए किया है। अनिवार्य, मसीही जीवन के उपदेश, इस बात के संकेत पर आधारित हैं कि परमेश्वर ने मसीह में हमारे लिए क्या किया है।

संकेतात्मक, परमेश्वर ने जो किया है उसके कथन, अपने आप में कोई अंत नहीं हैं। वे अनिवार्यताओं को प्रेरित करने के लिए हैं, अनिवार्यताओं के प्रति हमारी आज्ञाकारिता के लिए। संकेतात्मक कथन परमेश्वर के प्रति हमारी प्रतिक्रिया और परमेश्वर के लिए जीने का आधार हैं।

विश्वास के द्वारा, आप सभी मसीह यीशु में परमेश्वर के पुत्र हैं, क्योंकि आप में से जो लोग मसीह में बपतिस्मा लेते हैं, वे मसीह के वस्त्र पहने हुए हैं। वस्त्र, जिस तरह से उस श्लोक को पेश किया गया है, बपतिस्मा लेना, और ईसाई बपतिस्मा में मसीह के वस्त्र पहने हुए होना, ये सब इसके लिए स्पष्टीकरण हैं।

विश्वास के द्वारा, आप सभी मसीह यीशु में परमेश्वर के पुत्र हैं। ईसाई बपतिस्मा का एक अर्थ गोद लेना है। अपने शरीर पर कपड़े पहनने की तरह, ईसाई बपतिस्मा मसीह के साथ एकता को दर्शाता है।

और इसमें गोद लेना भी शामिल है। विश्वास के द्वारा, आप सभी मसीह यीशु में परमेश्वर के पुत्र हैं। मसीह के वस्त्र पहनना मसीह के साथ एकता की बात करता है।

जैसे वस्त्र शरीर को ढकते हैं, वैसे ही मसीह विश्वासियों को ढकते हैं। मसीह के साथ एकता उस व्यापक अवधारणा को अपनाना है जिसका एक हिस्सा दत्तक ग्रहण है। विश्वास के माध्यम से, आप सभी मसीह में परमेश्वर के पुत्र हैं।

उसका स्वाभाविक पुत्रत्व, उसका शाश्वत पुत्रत्व, और यहाँ तक कि उसका पुत्रत्व भी उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान में पहचाना गया, रोमियों 1, पहले कुछ छंद। परमेश्वर ने उसे मृतकों के पुनरुत्थान के द्वारा परमेश्वर का पुत्र होने की सामर्थ्य के साथ घोषित किया, मृतकों का उसका पुनरुत्थान कि उसका शाश्वत स्वाभाविक पुत्रत्व हमारे पुत्रत्व का आधार है जिसे परमेश्वर के अद्वितीय पुत्र में विश्वास के माध्यम से अनुग्रह द्वारा परमेश्वर पिता द्वारा अपनाया जाता है।

गोद लेना मसीह के साथ एकता में है। यीशु, शाश्वत पुत्र से जुड़कर, हम परमेश्वर के अनुग्रहपूर्ण, अनुग्रह-आधारित पुत्र या पुत्रियाँ बन जाते हैं। पवित्रीकरण का आत्मा का कार्य मसीह से अलग नहीं है, बल्कि उसके साथ एकता में है।

हम उसकी कारीगरी हैं। यह कहने के बाद कि हम अपने किसी काम से नहीं, बल्कि विश्वास के ज़रिए अनुग्रह से बचाए गए हैं, परमेश्वर कहते हैं, लेकिन इसमें काम शामिल है। हम मसीह यीशु में सृजे गए परमेश्वर की कारीगरी हैं।

इसका अर्थ वास्तव में पुनः निर्मित होना है। यह मसीह यीशु में अच्छे कार्यों के लिए बनाई गई नई सृष्टि का हिस्सा है, जिसे परमेश्वर ने हमारे लिए पहले से तैयार किया है। इफिसियों 2:10. हम अच्छे कार्यों के लिए मसीह में पुनः निर्मित हुए हैं।

हमारा प्रगतिशील पवित्रीकरण मसीह के अच्छे शोक से अलग नहीं है। यह मसीह के साथ एकता में है। जैसा कि हमने रोमियों 6 में देखा, हम उसके साथ मरने के कारण पाप की शक्ति के लिए मर गए।

हम नए जीवन के लिए जी उठते हैं, और परमेश्वर को उसके पुनरुत्थान के साथ एकता में प्रसन्न करते हैं। वास्तव में, मसीह के साथ उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान में हमारा मिलन ही सफल मसीही जीवन का आधार है। रोमियों 6:1-14। परमेश्वर अपने संतों का संरक्षण अपने पुत्र के साथ एकता में करता है।

अब उन लोगों के लिए कोई निंदा नहीं है जो मसीह यीशु से दूर हैं। मुझे ऐसा नहीं लगता। अब उन लोगों के लिए कोई निंदा नहीं है जो मसीह यीशु में हैं।

अंतिम दिन, परमेश्वर मसीह यीशु में सभी मनुष्यों को बचाएगा और उन्हें दोषी नहीं ठहराएगा जो उसके साथ एकता में है। वास्तव में, क्योंकि विश्वासी मसीह के द्वारा विजेता से भी बढ़कर हैं जिसने हमसे प्रेम किया, पौलुस को विश्वास था कि कोई भी चीज़ हमें परमेश्वर के प्रेम से अलग नहीं कर पाएगी जो मसीह यीशु हमारे प्रभु में है। मैंने रोमियों 8 में पहली आयत और अंतिम दो आयतों को उद्धृत किया।

मसीह के साथ एकता में संरक्षण शामिल है। यह अन्यथा कैसे हो सकता है? क्योंकि उसमें, परमेश्वर ने हमें मसीह में स्वर्गीय स्थानों में हर आध्यात्मिक आशीर्वाद से आशीषित किया है। इफिसियों 1 पद 3। हमारी महिमा भी मसीह के साथ एकता में है।

यही हमने समझा। ऐसे अंश हैं जो कहते हैं कि मसीह के साथ हमारा दूसरा आगमन है। जब मसीह, जो आपका जीवन है, प्रकट होता है, तो आप भी उसके साथ महिमा में प्रकट होते हैं।

महिमा होती है। यह महिमा में उसके साथ प्रकट होती है। हमारी महिमा मसीह के साथ एकता में है।

हमारी पूरी पहचान केवल तभी उजागर होगी जब यीशु वापस आएंगे। और ऐसा इसलिए है क्योंकि हम उनके साथ, उनके साथ एकता में, महिमा में प्रकट होंगे। हमारे अंतिम उद्धार में महान महिमा शामिल होगी।

क्योंकि परमेश्वर के अनुग्रह से हम अपने प्रभु यीशु मसीह की महिमा प्राप्त करेंगे। 2 थिस्सलुनीकियों 2:14। महिमा का एक बिल्कुल अतुलनीय अनन्त भार। 2 कुरिन्थियों 4:17। पौलुस शब्दों का ढेर लगाता है।

यह अविश्वसनीय है। वह उन्हें और अधिक ऊपर नहीं रख सकता। इस व्याख्यान का यहीं अंत होता है।

और अगले भाग में, हम चुनाव के सिद्धांत पर चर्चा करेंगे। सबसे पहले, हम कुछ ऐतिहासिक जाँच-पड़ताल करने और फिर वास्तव में पवित्रशास्त्र का अध्ययन करने पर विचार कर रहे हैं ताकि यह समझ सकें कि उनका क्या अर्थ है। परमेश्वर ने हमें संसार की रचना से पहले मसीह में चुना था।

यह डॉ. रॉबर्ट पीटरसन द्वारा उद्धार पर दी गई शिक्षा है। यह सत्र 3 है, मसीह के साथ एकता जारी है।